सोना-चांदी ने बनाया एक नया रिकॉर्ड

24 कैरेट सोने का भाव 4,717 रुपए बढ़कर 1,59,027 रुपये

एक किलो चांदी की कीमत 24,802 रुपए बढ़कर 3,42,507 रुपये

नई दिल्ली, 27 जनवरी. सोने और चांदी के दाम रिकॉर्ड ऊँचाई पर पहुँच गए हैं. इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 1 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 4,717 रुपए बढ़कर 1,59,027 रुपए हो गया है. वहीं एक किलो चांदी की कीमत 24,802 रुपए बढ़कर 3,42,507 **रुपए पर पहुँच गई.**

इस साल केवल 27 दिन में सोना 25,832 और चांदी 1,12,087 महंगी हो चुकी है. सोने की तेजी के तीन प्रमुख कारण हैं- वैश्विक तनाव और ग्रीनलैंड विवाद, डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होना (91.10 पर रिकॉर्ड लो) और केंद्रीय बैंकों की भारी खरीदारी. सोना चांदी के कीमतों को लेकर एक चौकाने वाला बात सामने आ रही है. विषेज्ञों का कहना है कि , अगले पांच दिन में और भी दाम बढ़ने की बात कही जा रही है.इससे निवेशक सुरक्षित विकल्प यानी सोने की ओर बढ़ रहे हैं.

> चांदी में तेजी के पीछे इंडस्ट्रियल डिमांड (सोलर, इलेक्ट्रॉनिक्स, ईवी),अमेरिकी टैरिफ डर और उत्पादन रुकने की आशंका है. चांदी अब केवल ज्वेलरी नहीं, बल्कि महत्वपूर्ण कच्चा माल बन गई है. विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि वैश्विक तनाव और अमेरिकी टैरिफ में वृद्धि होती है तो सोना 2026 में 1,90,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुँच सकता है. इसी तरह चांदी की कीमत 4 लाख रुपए प्रति किलो तक बढ़ने की संभावना है. इस तेजी से निवेशकों को अलर्ट रहने और सही समय पर खरीद-बिक्री के फैसले लेने की आवश्यकता है. आने वाले महीनों में भी सोना और चांदी के दाम ऊँचे स्तर पर बने रहने की संभावना जताई जा रही है.

एशियन पेंट्स का मुनाफा पांच प्रतिशत घटा

मुंबई, 27 जनवरी. चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में पेंट एवं डेकॉर क्षेत्र की कंपनी एशियन पेंट्स का समेकित शुद्ध लाभ साल-दर-साल आधार पर 4.83 प्रतिशत घटकर 1,074 करोड़ रुपये रहा गया. कंपनी ने मंगलवार को जारी तिमाही परिणामों में बताया कि इस दौरान उसका परिचालन राजस्व 8,867 करोड़ रुपये रहा जो सालाना आधार पर 3.71 फीसदी अधिक है. एशियन पेंट्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित सिंग्ले ने कहा कि यह लगातार तीसरी तिमाही है जब कंपनी के घरेलू डेकोरेटिव बिजनेस में मात्रा के आधार पर मजबूत वृद्धि हुई है. तीसरी तिमाही में इसमें 7.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई. उन्होंने बताया कि औद्योगिक कोटिंग खंड में दहाई प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गयी.

अडानी समूह का ब्राजील कंपनी से करार

देश में ही करेगा वाणिज्यिक विमानों का निर्माण

नई दिल्ली, 27 जनवरी. अडानी समूह ने देश में ही वाणिज्यिक विमानों के निर्माण के लिए ब्राजील की कंपनी एम्ब्रेयर के साथ मंगलवार को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया.

अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आशीष राजवंशी और एम्ब्रेयर कमर्शियर एविएशन के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अर्जन मायर ने यहां उड़ान भवन में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू और अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के निदेशक जीत अडानी की मौजूदगी में एमओयू पर हस्ताक्षर किये. करार के तहत दोनों कंपनियां मिलकर क्षेत्रीय हवाई परिवहन के लिए छोटे विमान बनाएंगी जो 80 से 150 सीट वाले विमान होंगे और टीयर-2 और टीयर-3 के शहरों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे.

> अडानी ने कहा कि इसके अलावा एक-दो स्थानों का चयन हो चुका है जहां साथ-साथ काम शुरू हो जायेगा, हालांकि उन्होंने इन स्थानों के नाम बताने से इनकार कर दिया. श्री मायर ने कहा कि आरंभ में एम्ब्रेयर के मौजूदा विमानों में से ही किसी एक का निर्माण किया जायेगा और इसके लिए मौजूदा आपूर्ति श्रृंखला का इस्तेमाल किया जायेगा. उन्होंने कहा कि भविष्य के लिए इस समझौते में काफी संभावनाएं हैं. श्री अडानी ने कहा कि उनकी कंपनी किसी संकीर्ण दायरे में सीमित रहे बिना यह समझौता कर रही है.

शुरुआती चरण के तहत सभी कलपुर्जे बाहर से आयेंगे और देश में सिर्फ असेम्बली होगी. बाद में घरेलू स्तर पर भी कलपुर्जों का निर्माण आरंभ होगा. विमानों के निर्माण के साथ, आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने, बिक्री बाद की सेवाएं और पायलटों का प्रशिक्षण भी समझौते का हिस्सा है.

अडानी ने मीडिया के सवालों के जवाब देते हुए बताया कि अगले एक-दो महीने में समझौते की बड़ी बातें जैसे असेम्बली लाइन के लिए स्थान का चयन, संयुक्त उपक्रम में हिस्सेदारी, निवेश, किस विमान का निर्माण होना है आदि बातों पर फैसला हो जायेगा.

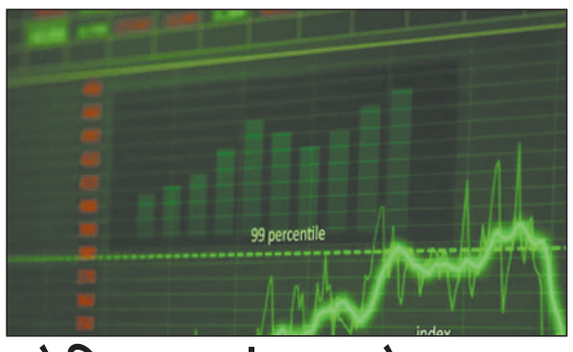

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

क्रासर - सेंसेक्स 0.39 चढ़कर 81,857.48 अंक पर बंद

निफ्टी-में सूचकांक 126.75 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की मजबूती

मुंबई, 27 जनवरी. घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को काफी उतार-चढ़ाव देखा गया और शुरुआती गिरावट से उबरते हुए प्रमुख सूचकांक अंततः हरे निशान में बंद हुए. ये बाजार ऐसे समय में जब यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार संधि की घोषणा के बाद बाजार में निवेश धारणा को समर्थन मिला. ये हरा निशान और भी आस बना देती है. दोनों पक्षों के बीच एफटीए पर वार्ता का समापन हो गया है.

इसमें 99 प्रतिशत भारतीय वस्तुओं को यूरोपीय संघ के देशों में प्राथमिकता के आधार पर प्रवेश देने की बात कही गयी है. बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 319.78 अंक (0.39 प्रतिशत) चढ़कर 81,857.48 अंक पर बंद हुआ. बीच कारोबार में इसमें करीब 996 अंक का उतार-चढ़ाव देखा गया. यह नीचे 81,088.59 अंक और ऊपर 82,084.92 अंक तक गया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 126.75 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,175.40 अंक पर पहुंच गया. अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में रही तेजी से भी शेयर बाजार को समर्थन मिला. रुपया फिलहाल 27 पैसे की बढ़त में 91.63 रुपये प्रति डॉलर पर है.

मझौली और छोटी कंपनियों में भी तेजी रही. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.71 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.82 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ.

अडानी पोर्ट्स का शेयर साढ़े चार प्रतिशत बढ़ा

धातु, बैंकिंग, आईटी और वित्तीय क्षेत्रों की कंपनियों में लिवाली ज्यादा देखी गयी. ऑटो, एफएमसीजी, मीडिया और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों के सूचकांक लाल निशान में रहे. सेंसेक्स की कंपनियों में अडानी पोर्ट्स का शेयर करीब साढ़े चार प्रतिशत चढ़ा. एक्सिस बैंक का शेयर भी चार प्रतिशत से अधिक चढ़ा. टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी और भारतीय स्टेट बैंक में दो से तीन प्रतिशत तक की तेजी रही. अल्ट्राटेक सीमेंट, बीईएल, इंडिगो, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी एक प्रतिशत से अधिक चढ़े.

एमपी और छग में पहली पसंद बना जियो-पीसी

मात्र 599 रुपये में घर आएगा हाई-एंड कंप्यूटर

भोपाल-रायपुर. मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में कंप्यूटर की चाह रखने वाले लोगों के बीच रिलायंस जियो का जियो-पीसी खासा लोकप्रिय हो रहा है. यह एक अत्याधुनिक क्लाउड-आधारित वर्चुअल डेस्कटॉप है, जो आपके घर या दफ्तर में मौजूद साधारण टीवी स्क्रीन को पल भर में एक पावरफुल पर्सनल कंप्यूटर में बदल देता है. जियो की यह तकनीक उन लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है, जो कम खर्च में बेहतर कंप्यूटिंग अनुभव चाहते हैं. और साथ ही इस सुविधा में कोई मेंटनेंस भी नहीं लगता.

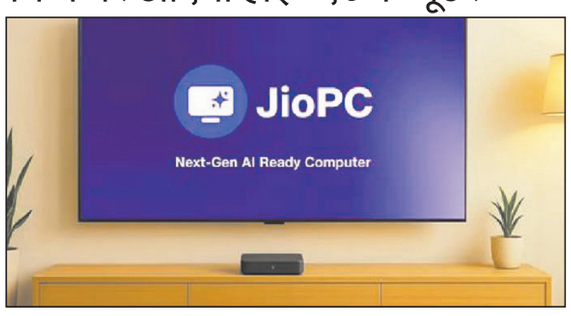

जिन ग्राहकों के पास पहले से जियोफाइबर या जियो एयरफाइबर के कनेक्शन मौजूद हैं, वे मासिक प्लान लेकर इस सेवा का लाभ उठा सकते हैं. वहीं, नए उपयोगकर्ताओं के लिए कंपनी ने एक विशेष ऑफर पेश किया है, जिसके तहत वे इस सेवा का एक महीने तक नि:शुल्क उपयोग कर सकते हैं. यह प्लेटफॉर्म न केवल रोजमर्रा के दफ्तरी कामकाज के लिए उपयुक्त है, बल्कि इसकी शानदार प्रोसेसिंग क्षमता के कारण इस पर गेमिंग और ग्राफिक रेंडरिंग जैसे भारी काम भी आसानी से किए जा सकते हैं. आर्थिक दृष्टि से देखें तो यह तकनीक बेहद किफायती है. बाजार में जियो-पीसी जैसी क्षमता वाला कंप्यूटर खरीदने पर 50 हजार रुपये से अधिक का खर्च आता है, जबकि जियो-पीसी के प्लान मात्र 599 रुपये + GST प्रति माह से शुरू होते हैं.

> ग्राहकों की सुविधा के लिए कंपनी मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के अपने सभी जियो आउटलेट्स पर किफायती दामों में डिजिटल कीबोर्ड और माउस भी उपलब्ध करा रही है. इसका सेटअप भी अत्यंत सरल है; ग्राहकों को केवल डिजिटल कीबोर्ड और माउस को जियो सेट-टॉप बॉक्स से जोड़ना होगा और टीवी स्क्रीन पर जियो-पीसी ऐप लॉन्च कर लॉग-इन करना होगा. सुरक्षा के लिहाज से भी जियो-पीसी काफी भरोसेमंद है. यह नेटवर्क-स्तरीय सुरक्षा प्रदान करता है, जो इसे वायरस, मैलवेयर और हैकिंग से सुरक्षित रखता है. इसके माध्यम से की जाने वाली ऑनलाइन शॉपिंग, बैंकिंग, क्लासेज और वर्क-फ्रॉम-होम का डेटा पूरी तरह सुरक्षित रहता है.

टाटा पावर रिन्युएबल एनर्जी ने 10 गीगावाट की उपलब्धि

नई दिल्ली, 27 जनवरी. टाटा पावर रिन्युएबल एनर्जी ने 1 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं कमीशन करने की उपलब्धि हासिल कर ली है.

टाटा पावर की सहयोगी कंपनी ने मंगलवार को एक में बताया कि उसने अब तक कुल 9.7 गीगावट की सौर परियोजनाओं और 290 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजनाओं की इंजीनियरिंग से लेकर निर्माण तक का काम पूरा किया है. इसमें 4.2 गीगावाट की परियोजनाओं को अपनी कंपनी के लिए और 5.8 गीगावाट की परियोजनाओं को तीसरे पक्ष के लिए कमीशन किया गया है.

चालू वित्त वर्ष में कंपनी ने 1.88 गीगावाट की परियोजनाएं कमीशन की हैं जिसमें 941 गीगावाट की परियोजनाएं तीसरी तिमाही में पूरी की गयी हैं. यह सालाना आधार पर 139 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है.

एयरबस हेलीकॉप्टर संयंत्र उद्घाटन जल्द संभव

नई दिल्ली, 27 जनवरी. विमान एवं हेलीकॉप्टर बनाने वाली दुनिया की अग्रणी कंपनी एयरबस के कर्नाटक में बन रहे एच125 हेलीकॉप्टर संयंत्र का उद्घाटन फरवरी-मार्च में संभव है. फ्रांस की कंपनी एयरबस ने सोमवार को साल 225 के प्रदर्शन की मुख्य बातें साझा करते हुए यह जानकारी दी.

कंपनी ने बताया कि अपनी विस्तार योजना के तहत वह कर्नाटक के वेमागल में एच125 हेलीकॉप्टर के लिए फाइनल असेम्बली लाइन लगा रही है. इसके लिए साल 2025 में काम शुरू हुआ था. कंपनी ने अपने बयान में कहा है, आने वाले सप्ताहों में उद्घाटन इसका उद्घाटन किया जाना है.

यह एच125 हेलीकॉप्टर के लिए दुनिया में एयरबस का चौथा संयंत्र होगा.

बेहतर नतीजों के बीच सेंट्रल बैंक ने ऐतिहासिक रिश्ते दोहराए

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया का पारसी समुदाय के साथ संवाद

मुंबई, 27 जनवरी- सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने आज अपने प्रमुख हितधारकों के साथ दीर्घकालिक संबंधों को सुदृढ़ करने के प्रयासों के तहत पारसी समुदाय के सदस्यों के साथ संवाद स्थापित किया. यह आयोजन ऐसे समय में हुआ है जब बैंक ने 31 दिसंबर, 225 को समाप्त तिमाही के लिए बेहतर वित्तीय परिणामों की घोषणा की है.

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया का पारसी समुदाय के साथ गहरा ऐतिहासिक संबंध है. बैंक की स्थापना 1911 में सर सोराबजी पोचखानवाला द्वारा की गई थी, जिन्होंने इस संस्थान को राष्ट्र की संपत्ति और देश की धरोहर बताया था. बैंक के प्रथम अध्यक्ष सर फिरोजशाह मेहता भी पारसी समुदाय से ही थे. अपने 114 वर्षों के इतिहास में बैंक ने कई आर्थिक चक्रों का सफलतापूर्वक सामना किया है और हमेशा जनता का अपना बैंक होने के अपने मूल दर्शन पर अडिग रहा है. बैंक ने भारत के आर्थिक विकास में पारसी समुदाय द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया, विशेष रूप से उद्योग, वित्त, व्यापार और परोपकार के क्षेत्रों में, जिनके माध्यम से अनेक प्रतिष्ठित उद्यमों और संस्थानों की स्थापना हुई, जिन्होंने देश के कॉरपोरेट परिदृश्य को आकार दिया है. कार्यक्रम में पारसी समुदाय के अनेक प्रमुख और प्रतिष्ठित सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिनमें बैंक के संस्थापक और प्रथम अध्यक्ष के वंशज, एचडीएफसी के पूर्व उपाध्यक्ष और सीईओ श्री केकी मिस्त्री, श्री जिमी मिस्त्री, श्री मिकी मेहता, बॉम्बे पारसी पंचायत के पूर्व अध्यक्ष श्री दिनशॉ मेहता, बॉम्बे पारसी पंचायत के वर्तमान अध्यक्ष विराफ मेहता, पद्मश्री पीनाज मसानी और रतन लूथ आदि शामिल थे.

समाचार विशेष

निशांत के बहाने अपनी राजनीति चमकाने में जुटे नेता?

पटना. बिहार की सियासत में इन दिनों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है. वे राजनीति में कदम रखेंगे या नहीं ? इस पर बयानबाजी जारी है. नेतृत्व कई बार साफ कर चुका है कि निशांत कुमार के राजनीति में आने या न आने देने का फैसला खुद नीतीश कुमार को लेना है. बावजूद इसके, जेडीयू के अंदर, बार-बार यह चर्चा छेड़ी जा रही है. निशांत को राजनीति में आने को लेकर पार्टी से जुड़े कई नेता ज्यादा बेचैनी में हैं. इसकी वजह खास है. दरअसल, निशांत का नाम लेकर जनता दल यूनाइटेड के कुछ नेता अपनी राजनीति चमकाना चाहते हैं.

नीतीश कुमार के पुत्र निशांत को उत्तराधिकारी बनाने के लिए जेडीयू के कई नेता बेचैन हैं. बेचैनी का आलम ऐसा कि दो-चार दिनों पर ही राग अलापना शुरू कर रहे. राजधानी की सड़कों पर बैनर-पोस्टर लगा रहे, प्रदेश कार्यालय के मुख्य द्वार पर निशांत का बैनर-होर्डिंग लगाकर पार्टी की कमान संभालने की गुजारिश की जा रही. इसके माध्यम से नेतृत्व पर दबाव बनाया जा रहा है. बताया जाता है कि निशांत के चेहरे के बहाने दल से जुड़े कई नेता अपनी दुकानदारी चला रहे. निशांत के बहाने नेतृत्व के करीब आना चाहते हैं. यह मुद्दा बुझे नहीं, लिहाजा 2-4 दिनों पर मीडिया को मसाला भी मुहैया करा रहे, ताकि निशांत की जेडीयू में इंट्री का इश्यू जिंदा रहे.

निशांत कुमार को जेडीयू का कमान संभालने को लकर 2-3 साालों से जबरदस्त अभियान चल रहा है. यह अभियान पार्टी के ही एक वर्ग के द्वारा चलाई जा रही है. हालांकि जेडीयू के कई बड़े नेता भी कह चुके हैं, अगर निशांत पार्टी में आते हैं तो स्वागत है. लेकिन फैसला उनको और नेता नीतीश कुमार को लेना है.

हाल ही में जेडीयू में नंबर-2 के नेता व केंद्रीय मंत्री ललन सिंह इस मुद्दे पर स्थिति स्पष्ट कर चुके हैं. निशांत कुमार के राजनीति में आने के सवाल पर केंद्रीय मंत्री और जेडीयू के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन सिंह का स्पष्ट बयान सामने आया.

हमने परिवार के लिए कुछ नहीं किया

बिहार के मुख्यमंत्री व जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान हर मंच से यह बात कहते थे, ज्हमने शुरुआत से ही समाज के सभी तबकों का विकास किया है. फिर चाहे मुस्लिम, पिछड़ा, अति पिछड़ा वर्ग, अपर कास्?ट ही व?यों न हो. हमने अपने परिवार के लिए कुछ नहीं किया. पूरा ध्यान बिहार के लोगों पर रहा. जबकि दूसरे लोगों (लालू यादव) ने बिहार के लोगों के लिए कुछ नहीं किया, सिर्फ पत्नी,बेटा,बेटी को आगे बढ़ाया. ऐसे में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अगर अपने बेटे को राजनीति में लाते हैं, इनके समाजवादी चेहरे को बड़ा झटका लगेगा.

एनसीपी विलय बाद भी एनडीए में रहेगी

मुंबई. शरद पवार और उनके भतीजे अजित पवार की पार्टियों का विलय होगा. यह सिर्फ समय की बात है. जानकार सूत्रों का कहना है कि मार्च में राज्यसभा चुनाव से पहले इसकी घोषणा हो सकती है क्योंकि दोनों पार्टियों को तय करना है कि शरद पवार राज्यसभा जाएंगे या रिटायर होंगे.

वैसे महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन के पास भी इतनी संख्या हो जाती है कि वह एक सदस्य को राज्यसभा भेज सके. लेकिन गठबंधन की तीन पार्टियों में शरद पवार की पार्टी सबसे छोटी है. राज्यसभा सीट पर उद्धव ठाकरे की शिव सेना और कांग्रेस दोनों दावा करेंगे. दूसरी ओर पवार परिवार में सिद्धांत रूप में एकजुटता पर सहमति बन गई है.

महाराष्ट्र की नगरपालिकाओं के चुनाव के बाद पवार परिवार की बारामती में अहम बैठक हुई, जिसमें विलय के बारे में बातचीत हुई. जानकार सूत्रों का कहना है कि पवार परिवार में इस बात पर सहमति बन गई है कि दोनों पार्टियों का विलय होगा तब भी पार्टी एनडीए के साथ ही रहेगी. यानी अजित पवार राज्य सरकार में उप मुख्यमंत्री बने रहेंगे. अगर ऐसा होता है तो यह कांग्रेस गठबंधन के लिए बड़ा झटका होगा. कहा जा रहा है कि गठबंधन के बाद प्रदेश की राजनीति अजित पवार के हाथ में होगी और केंद्र की राजनीति शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले संभालेंगी. उनको केंद्र में मंत्री भी बनाया जा सकता है.

कांग्रेस विधायक राज्यसभा चुनाव के इंतजार में

बिहार में राज्यसभा की पांच सीटें खाली हो रही हैं

पटना. बिहार में कांग्रेस के छह विधायक हैं इसलिए राज्यसभा सीट से कांग्रेस का कोई मतलब नहीं होना चाहिए. लेकिन दिलचस्प बात यह है कि कांग्रेस के सभी छह विधायक मार्च में होने वाले राज्यसभा चुनाव का इंतजार कर रहे हैं. असल में बिहार में राज्यसभा की पांच सीटें खाली हो रही हैं, जिनमें से चार सीटें आसानी से भाजपा और जनता दल यू को मिल जाएंगी. पांचवीं सीट के लिए किसी के पास बहुमत नहीं है.

एक सीट जीतने के लिए 41 वोट की जरुरत है, जबकि विपक्षी गठबंधन के पास 35 सीटें हैं. दूसरी ओर चार सीट जीतने के बाद सत्तापक्ष के पास 40 वोट बचते हैं. इसलिए सत्तापक्ष की राह आसान है लेकिन वहां गठबंधन में खींचतान की वजह से समस्या है. भाजपा और जदयू अपनी अपनी सीट जीत लेंगे लेकिन पांचवीं सीट किसके खाते में जाती है इस पर लड़ाई निर्भर करेगी. चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी के 19 विधायक हैं लेकिन चार विधायक वाले राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता उपेंद्र कुशवाहा अपनी सीट के लिए अड़े हैं और पांच विधायक वाले जीतन राम मांझी को चिराग से समस्या है.

दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन के 35 विधायकों के साथ अगर ओवैसी के पांच विधायक जुड़ जाते हैं उनकी संख्या भी 40 हो जाती है. इनके अलावा बसपा के भी एक विधायक जीते हुए हैं. सो, एक सीट जीतने लायक संख्या दूसरी ओर भी बन जाती है. कहा जा रहा है कि कांग्रेस के छह विधायक, आईआईपी के इकलौते विधायक और बसपा के विधायक अवसर के इंतजार में कहा है. कहा जा रहा है कि राजद की ओर से पांच बार राज्यसभा सांसद रहे प्रेमचंद गुप्ता फिर से लड़ सकते हैं. जो हो दोनों तरफ से ऐसा व्यक्ति चुनाव लड़ सकता है, जिसको खुल कर पैसे खर्च करने में कोई समस्या नहीं होगी. तभी कहा जा रहा है कि कांग्रेस के छह विधायक भले मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के बुलावे पर दिल्ली आ गए लेकिन उनकी कोई दिलचस्पी कांग्रेस की राजनीति में नहीं है.

विशेष | **युवा नेताओं की फौज तैयार कर रही है पार्टी**

नरेंद्र मोदी का आह्वान, भाजपा का प्लान

नई दिल्ली. भारतीय जनता पार्टी हमेशा संगठन और पार्टी को मजबूत करने के लिए तरह-तरह के कदम उठाती रहती है. इसी कड़ी में अब पीएम मोदी के विजन को साकार करने के लिए 1 'उदीसमान कार्यकर्ताओं' की बहाली होने जा रही है. ये युवा देशभर के अलग-अलग हिस्सों से होंगे. इसके साथ ही उनकी उम्र 25 से 4 साल के बीच ही रहेगी. इनको चयन के बाद 3 सालों तक प्रशिक्षण दिया जाएगा. यह योजना बीजेपी के अगली पीढ़ी के नेतृत्व को तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

बीजेपी एक हजार उदीसमान कार्यकर्ता बहाल करने जा रही है. बीजेपी भविष्य के नेताओं को तैयार करने के लिए संगठन से जुड़े युवा नेताओं बड़ी खेप तैयार करने जा रही है. देशभर से युवा नेताओं की बड़ी फौज को ढूंढ कर निकाला जा रहा है. बीजेपी के ये युवा ही भविष्य में पार्टी के कर्णधार होंगे. उदीसमान कार्यकर्ता के रूप में देशभर से करीब 1000 से अधिक युवा छांटे गए हैं. इन उदीसमान कार्यकर्ताओं को 25 से लेकर 40 वर्ष के अंदर आयु वर्ग से छांटा गया है. इन सभी उदीसमान कार्यकर्ताओं 3 साल तक ग्रूम किया जाएगा. उसके बाद इनको पार्टी के मुख्यधारा में शामिल किया जाएगा. चुनकर निकाले गए करीब 200 उदीसमान कार्यकर्ताओ को बीजेपी के केंद्रीय और प्रदेश संगठनों में जगह दी जाएगी. चुने हुए करीब 300 उदीसमान कार्यकर्ताओं को विभिन्न उपक्रमों, आयोगों और समितियों में जगह दी जाएगी. करीब 500 उदीसमान कार्यकर्ताओं को भविष्य के नेता के तौर पर अलग अलग तरह से ग्रूम किया जाएगा.

सभी कार्यकर्ताओं को दी जाएगी ट्रेनिंग- उदीसमान कार्यकर्ताओं का चुनाव सामाजिक समीकरण और क्षेत्रीय समीकरणों का ध्यान में रखकर किया गया है. इन उदीसमान कार्यकर्ताओं को संघ के विभिन्न अनुषांगिक संगठन, अन्य सामाजिक संगठन, भाजपा और संघ से जुड़े विभिन्न संगठनों से मशविरा करके चुना गया है.

किस राज्य से कितने कार्यकर्ता चुने जाएंगे

इस क्रम में उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य से करीब 110 उदीसमान कार्यकर्ता सिलेक्ट किए जाएंगे बिहार से करीब 70 उदीसमान कार्यकर्ता, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों से 60/50 उदीसमान कार्यकर्ता शामिल किए जा रहे हैं. जबकि छोटे राज्यों से 15/20 उदीसमान कार्यकर्ता शामिल किए जा रहे हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 1 लाख युवाओं को राजनीति में लाने के आह्वान को मूर्त रुप देने के पहले फेज में ये 1000 उदीसमान कार्यकर्ता बहाल किए जा रहे हैं. गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर देश में 1 लाख युवाओं को राजनीति में लाने की बात कही थी.